अनाज से एथनाल बनाएंगी 131 डिस्टलरी

अर्पित त्रिपाठी • ग्रेटर नोएडा

केंद्र ने अप्रैल 2025 से देश के सभी पेट्रोल पंपों पर ई20 यानी 20 प्रतिशत एथेनाल मिश्रित पेट्रोल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए एथनाल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरकार ने 2021 में 197 अनाज (ग्रेन) डिस्टलरी शुरू करने के लिए प्रस्ताव तैयार किया था। इनमें से अब 131 ग्रेन डिस्टलरी शुरू होंगी। यह सभी डिस्टलरी जनवरी 2025 तक शुरू हो जाएंगी। यह डिस्टलरी 19 प्रदेशों में बनाई जाएंगी, जिसमें से सबसे ज्यादा 23 डिस्टलरी मध्य प्रदेश में बनेंगी।

19 प्रदेशों में किया जाएगा इन डिस्टलरी का निर्माण

• मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा 23 डिस्टलरी स्थापित होंगी

कहां-कितनी डिस्टलरी

मध्य प्रदेश	23
बंगाल	9
बिहार	16
छतीसगढ़	6
हरियाणा	7
हिमाचल प्रदेश	3
दिल्ली-एनसीटी	8
पंजाब	5
उत्तराखंड	3

Waiting for www.google.com...

वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 2025 में 1,016 करोड़ लीटर एथनाल की जरूरत पड़ेगी। इसमें 40 प्रतिशत हिस्सेदारी अनाज से बनाए गए एथनाल की होगी। शेष एथनाल गन्ने से बनाया जाएगा। केंद्र ने सभी तेल उत्पादन कंपनियों को अगले 10 वर्ष तक इन डिस्टलरी से अनिवार्य रूप से एथनाल खरीदने का निर्देश दिया है। चंडीगढ़ डिस्टलरी एंड बायलर्स ग्रुप के अधिकारी ओजस्व शर्मा पवन वर्मा ने बताया कि 100 किलोग्राम चावल के भूसे से 45 प्रतिशत एथनाल का उत्पादन होता है। अनाज से बनने वाले एथनाल का मूल्य 55.54 रुपये प्रति लीटर है। वहीं, गन्ने से बनने वाले एथेनाल का मूल्य 65.61 रुपये प्रति लीटर है। ऐसे में तेल उत्पादन कंपनियों को अनाज से बना एथनाल खरीदने से काफी फायदा होगा। जो चावल खाने लायक नहीं होता है, उसे एफसीआइ से खरीदकर एथनाल बनाया जाता है। वर्तमान में अनाज में केवल चावल से एथनाल बनाया जा रहा है। आने वाले समय में मक्का और गेहूं से भी एथनाल बनेगा। ओजस्व शर्मा ने बताया कि अनाज से एथनाल बनाने से किसानों को सीधा फायदा होगा और उन्हें समय पर पैसा मिलेगा।